वंदे भारत में छूटी अंगूठी, रेलकर्मियों की तत्परता से महिला को मिली वापस

रेलकर्मियों की सजगता और तत्परता ने एक बार फिर ईमानदारी की मिसाल पेश की। कैंट रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह एक महिला यात्री की वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस में छूटी कीमती अंगूठी सुरक्षित वापस मिल गयी। अपना खोया हुआ सामान वापस पाकर महिला यात्री ने रेलकर्मियों का आभार जताया। जानकारी के अनुसार, प्रज्ञा पाण्डेय गाड़ी संख्या २७४२२ वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस के ए-२ कोच में सफर कर रही थीं। यात्रा के दौरान जल्दबाजी या भूलवश उनकी कीमती अंगूठी सीट पर ही छूट गयी। ट्रेन से उतरने के बाद जब उन्हें अंगूठी गायब होने का एहसास हुआ तो उनकी चिंता बढ़ गयी। इसी दौरान कैंट स्टेशन पर उनकी मुलाकात ट्रेन मैनेजर प्रशांत श्रीवास्तव से हुई। महिला ने उन्हें पूरी बात बतायी। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशांत श्रीवास्तव ने तत्काल कोच अटेंडेंट मनु से संपर्क साधा और अंगूठी की तलाश शुरू करायी। रेलकर्मियों की तत्परता रंग लाई और काफी मशक्कत के बाद अंगूठी बरामद कर महिला यात्री को वापस सौंप दी गयी। इस सराहनीय पहल से महिला के चेहरे पर खुशी लौट आयी।

पार्षद ने डोर-टू-डोर कूड़ा उठान और सफाई व्यवस्था पर उठायी ऊंगली

व्यवस्था में सुधार न होने पर मुख्यालय पर होगा धरना-प्रदर्शन

अलईपुर सब जोन के रात्रि कालीन सफाई व्यवस्था पर पार्षद वार्ड संख्या-९५ की फरजाना बीवी ने सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के सबजोन में रात्रिकालीन सफाई में डोरटूडोर कूड़ा संग्रहण में काफी अनियमितता और शिकायत मिली रही है। बड़ी संख्या में कर्मचारियों की तैनाती दिखाये जाने के बावजूद भी सफाई कार्य नही हो रहा है शिकायत यह भी है कि आधे से अधिक कर्मचारी कार्य नही करते हैं जो आउटसोर्सिंग कर्मचारी हैं उनको मूल कार्य से हटाकर उन्हें सुपरवाइजर बना दिया गया है उनके स्थान पर नये सफाई कर्मचारी की नियुक्ति नही की है। क्षेत्र में सफाई की वास्तविक की उपलब्ध प्रभावित हो रही है। जबकि फोटो लेकर कार्य पुरा देखाने की व्यवस्था की गयी है लेकिन फोटो से यह प्रमाणित नही होता है कि संबंधित क्षेत्र की वास्तविक सफाई हुआ है कि नही सिर्फ आधा अधूरा कार्य करकर छोड़ दिया जाता है जहां तक डोर टू डोर कूड़ा संग्रह की बात है कूड़ा गाड़ियां मुख्य रूप से मुर्गा और मांस की दूकानों से कूड़ा एकत्र करते हुए दिखायी देती है। जबकि अन्य दूकानदारों या व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कूड़ा नही उठाया जाता है न ही व्यवसायिक यूजर चार्ज भी वसूला जाता है। उन्होंने नगर आयुक्त सात दिवसीय के भीतर जांच कराने की बात की है और साथ ही दोषीय अधिकारियों के विरुद्ध वित्तीय संबंधी गड़बड़ी की जांच कराने की मांग की है। अगर ऐसा नही हुआ तो नागरिकों के साथ नगर निगम प्रशासन के विरुद्ध मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन शुरू किया जायेगा। जनता अपने टैक्स और यूजर चार्ज का भुगतान नही करती है सफाई के नाम पर केवल कागजों और तस्तीरों को दिखाया जाता है सार्वजनिक ढंग का सदपयोग और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण में उपलब्ध कराना नगर निगम की जिम्मेदीर है।

पुराण और इतिहास भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षक एवं संप्रेषक- प्रोफेसर देवेश मिश्र

भारतीय ज्ञान परंपरा में पुराण और इतिहास एक-दूसरे के पूरक हैं। इनका उद्देश्य केवल अतीत की घटनाओं का वर्णन करना नहीं, बल्कि ज्ञान, धर्म, दर्शन, नैतिकता और जीवन-मूल्यों को समाज तक पहुंचाना भी है। ये भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक निरंतरता के महत्वपूर्ण आधार हैं। यह विचार इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली के संस्कृत संकाय के प्रोफेसर देवेश कुमार मिश्र ने व्यक्त किये। वह शनिवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय के भारत अध्ययन केन्द्र में आयोजित १५ दिवसीय अल्पकालिक पाठ्यक्रम अष्टादशपुराणों के प्रमुख प्रतिपाद्य के दूसरे दिन पुराण और इतिहास: अंतर्संबंध विषय पर विशेष व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इतिहास और पुराण वेदों के अर्थ को विस्तार और व्यावहारिक संदर्भ प्रदान करते हैं। पुराण और इतिहास का अध्ययन भारतीय ज्ञान परंपरा की दृष्टि के साथ आधुनिक शोध पद्धतियों के समन्वय से किया जाना चाहिए। प्रोफेसर मिश्र ने पुराणों के पंचलक्षण सर्ग, प्रतिसर्ग, वंश, मन्वंतर और वंशानुचरित की चर्चा करते हुए बताया कि इनमें सृष्टि विज्ञान, राजवंशों, ऋषि परंपराओं और सांस्कृतिक स्मृतियों का विस्तृत विवरण मिलता है। रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों के माध्यम से सत्य, धर्म, त्याग, कर्तव्य और लोककल्याण के आदर्श जनसामान्य तक पहुंचाए गये हैं। कार्यक्रम का संचालन भारत अध्ययन केन्द्र की सेंटेनरी विजिटिंग फेलो डाक्टर जया पाण्डेय ने किया।

विद्यालयों में आयोजित होंगे 'गीता ज्ञान' प्रतियोगिता

नयी पीढ़ी में आज भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और श्रीमद्भगवद्गीता के कालजयी संदेशों का संचार करने के उद्देश्य से महामना मालवीय मिशन (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय इकाई) ने एक ऐतिहासिक पहल की है। शनिवार को मिशन की कार्यकारिणी समिति की महत्वपूर्ण बैठक कार्यकारी अध्यक्ष विजय नाथ पाण्डेय की अध्यक्षता में मालवीय भवन काशी हिंदू विश्वविद्यालय में संपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से वाराणसी के लगभग १०० विद्यालयों में वृहद स्तर पर गीता ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

मिशन की दो वर्गों में होगी गीता ज्ञान की परीक्षा, सभी को मिलेगा प्रमाण पत्र

बैठक में तय किया गया कि इस महाअभियान के तहत विद्यार्थियों को दो श्रेणियों— कनिष्ठ वर्ग (कक्षा छः से आठ तक) तथा वरिष्ठ वर्ग (कक्षा नौ से १२ तक) में विभाजित किया जाएगा। दोनों वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से नवाजा जाएगा। खास बात यह है कि प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रत्येक प्रतिभागी का उत्साहवर्धन करने के लिए मिशन की ओर से सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इस संपूर्ण आयोजन का संयोजक अखिलेश कुमार राय को नियुक्त किया गया है।



निबंध और भाषण में भी दिखेगा छात्रों का कौशल, नकद पुरस्कार से होंगे सम्मानित मालवीय जयंती पर सम्मानित किये जायेंगे मेधावी

गीता ज्ञान प्रतियोगिता के साथ-साथ मिशन द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी विद्यार्थियों की वैचारिक और अभिव्यक्ति क्षमता को निखारने के लिए निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके सफल संचालन के लिए डाक्टर माधवी तिवारी को संयोजक तथा डाक्टर राज कुमार मिश्र को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। दोनों ही प्रतियोगिताओं (निबंध व भाषण) में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को २०००, द्वितीय को १५०० तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को १००० की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

३१ दिसंबर को मालवीय जयंती पर होगा भव्य सम्मान समारोह

इन सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को आगामी ३१ दिसंबर को भारतरत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की जयंती के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा।

बैठक में इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

बैठक में प्रमुख रूप से संगठन मंत्री प्रमील पाण्डेय वरिष्ठ सदस्य प्रोफेसर गुलाब चन्द जायसवाल, प्रोफेसर शैलेन्द्र कुमार गुप्त, प्रोफेसर राकेश मिश्र, डाक्टर अनिकेत सिंह, डाक्टर दीनानाथ सिंह, डाक्टर विजय शंकर मिश्र, डाक्टर राज कुमार मिश्र, डाक्टर उदय प्रताप भारती, डाक्टर माधवी तिवारी, जयशंकर पाण्डेय, अखिलेश कुमार राय एवं प्रोफेसर उदय प्रताप शाही प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विद्युत खम्भे से तार काट ले गये चोर, एसडीओ ने पुलिस को दी तहरीर

सेवापुरी। कपसेठी थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव की राजभर बस्ती के समीप चार विद्युत पोल से बिजली के तार काटे जाने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद बिजली विभाग में हड़कंप मच गया।बताया जाता है कि रघुनाथपुर गांव की राजभर बस्ती के पास लगे विद्युत पोल से अज्ञात चोरों ने तीन खंभों के तार काट लिए। घटना की जानकारी होने पर विद्युत विभाग के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। इस संबंध में एसडीओ सेवापुरी सौरभ पटेरिया ने कपसेठी थाने पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया है। उन्होंने पुलिस से मामले की जांच कर चोरी की घटना में शामिल आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।वहीं, तहरीर मिलने के बाद कपसेठी पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है। पुलिस घटनास्थल के आसपास की जानकारी जुटाने के साथ ही अज्ञात चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बच्चन सिंह के उपन्यासों में आधुनिक समाज के सवाल और मानवीय अंतर्द्वन्द

एक थी कुंती उपन्यास का लोकार्पण, कथा साहित्य पर संगोष्ठी में साहित्यकारों ने रखे विचार

बच्चन सिंह न्यास एवं नव संस्कृत साहित्य संघ की ओर से शनिवार को महमूरगंज स्थित होटल में साहित्यकार बच्चन सिंह के उपन्यास एक थी कुंती का लोकार्पण एवं उनके कथा साहित्य पर संगोष्ठी आयोजित की गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गोपेश्वर सिंह तथा वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर बलराज पांडेय, डाक्टर राम सुधार सिंह, प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह और व्योमेश शुक्ल का अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया। मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर बलराज पांडेय ने उपन्यास की चर्चा करते हुए कहा कि कर्ण की बेचैनी दरअसल उपन्यासकार बच्चन सिंह की बेचैनी है। कर्ण का सवाल मैं कौन हूं केवल उसका नहीं, बल्कि समूची मानव जाति का सवाल है। व्योमेश शुक्ल ने कहा कि बच्चन सिंह अपनी भव्यता और असाधारण सृजनशीलता के कारण अपने समय के महत्वपूर्ण रचनाकार थे। उन्होंने सच को उजागर करने का काम किया। उनकी रचनाओं में मध्यवर्गीय महानगरीय सामाजिक जीवन और आधुनिकता का बोध दिखायी देता है। डाक्टर राम सुधार सिंह ने एक थी कुंती में महाभारत के प्रसंगों और कुंती के अंतर्द्वंद्व को स्त्री विमर्श के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया। प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह ने लहरें और कगार उपन्यास की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें ग्रामीण जीवन, जातिगत सवाल, प्रेम और अंतर्जातीय विवाह जैसी सामाजिक समस्याओं को उठाया गया है। अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गोपेश्वर सिंह ने कहा कि बच्चन सिंह महाभारत की व्यास परंपरा के रचनाकार हैं। उन्होंने हिंदी साहित्य के साथ साहित्यिक इतिहास को भी समृद्ध किया है। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर प्रीति त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर सुरेंद्र प्रताप ने किया।

सारनाथ के हवेलिया चौराहे पर बिदका बारात का घोड़ा, सड़क पर गिरा दूल्हा

सारनाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत हवेलिया चौराहे के पास शुक्रवार की रात एक शादी समारोह की बारात के दौरान अफरा-तफरी मच गयी। तेज आवाज के बीच घोड़ा अचानक बिदक गया और दुलत्ती मारने लगा, जिससे घोड़े पर सवार दूल्हा सड़क पर गिर पड़ा। इस घटना में दूल्हे के साथ ही कई बराती भी घायल हो गये। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह मशक्कत कर घोड़े को काबू में किया और पास के पेड़ से बांध दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हवेलिया चौराहा के पास स्थित एक लॉन में शादी समारोह आयोजित किया गया था। शुक्रवार रात दूल्हा घोड़े पर सवार होकर रोड लाइट और बैंड-बाजे के साथ लॉन से बाहर निकला। बारात जैसे ही हवेलिया चौराहे के पास पहुंची, तेज आवाज से घोड़ा भड़क गया और बेकाबू होकर दुलत्ती मारने लगा। घोड़े के अचानक बिदकने से संतुलन बिगड़ गया और दूल्हा सड़क पर जा गिरा। वहीं, घोड़े की दुलत्ती लगने से आसपास चल रहे कई बराती भी चोटिल हो गए। घटना के बाद समारोह में कुछ देर के लिए हड़कंप और चिंता का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों व परिजनों ने घायलों को संभाला और घोड़े को सुरक्षित स्थान पर पेड़ से बांधकर स्थिति को सामान्य किया।

आयुर्वेद में शिक्षा और अनुसंधान को मजबूत करने में सहायक हैं शैक्षणिक कार्यक्रम- प्रोफेसर अजित कुमार चतुर्वेदी

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि आयुर्वेद में शिक्षा और अनुसंधान को मजबूत बनाने में ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से कार्यक्रम में प्राप्त ज्ञान और अनुभवों को अपने संस्थानों में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्यों में शामिल करने का आह्वान किया। वह शनिवार को आयुर्वेद संकाय के रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग में आयोजित छह दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति और विकास के लिए सभी से मिलकर सक्रिय योगदान देने की अपील की। विशिष्ट अतिथि रजिस्ट्रार राजन श्रीवास्तव ने आयुर्वेद के ज्ञान को जनसाधारण तक पहुंचाने पर बल दिया। उन्होंने आयुर्वेदिक दवाओं को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा जनजातीय औषधियों की संभावनाओं पर काम करने का सुझाव दिया। चिकित्सा संकाय प्रमुख प्रोफेसर संजय गुप्त ने विभिन्न विषयों के बीच अंतरविषयक सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। आयुष मंत्रालय की आयुर्ज्ञान योजना के तहत प्रायोजित और राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली के समन्वयन में आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना के विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा किए। इस अवसर पर वाइस चांसलर ने विभाग की नई मंजिल का उद्घाटन भी किया। विभागाध्यक्ष एवं आयोजन सचिव प्रोफेसर नम्रता जोशी ने स्वागत किया। सह-समन्वयक डाक्टर रोहित शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। आयोजन अध्यक्ष प्रोफेसर के. नरसिम्हा मूर्ति, प्रोफेसर सी.बी. झा और प्रोफेसर नीरज कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कोहरे का मौसम शुरू होने से पहले ही लड़खड़ाई ट्रेनों की रफ्तार, १३ घंटे तक की देरी

हड़पसर-गाजीपुर स्पेशल १२ घंटे और पवन एक्सप्रेस सात घंटे देर से पहुंची

कोहरे का मौसम शुरू होने से पहले ही ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लगने लगा है। ट्रेनों की लेटलतीफी ने यात्रियों की परेशानी बढ़ा दी है। शनिवार को कैंट स्टेशन से गुजरने वाली कई प्रमुख ट्रेनें घंटों विलंब से पहुंचीं। सबसे खराब स्थिति आनंद विहार टर्मिनल-हावड़ा अमृत भारत एक्सप्रेस और मुंबई एलटीटी-मऊ स्पेशल की रही। दोनों ट्रेनें करीब १३ घंटे की देरी से संचालित हुईं। वहीं, हड़पसर-गाजीपुर स्पेशल भी १२ घंटे विलंब से कैंट स्टेशन पहुंची। इसके अलावा एलटीटी-जयनगर पवन एक्सप्रेस सात घंटे की देरी से आई। अमृतसर-सहरसा स्पेशल और योगनगरी ऋषिकेश-कोलकाता स्पेशल पांच-पांच घंटे विलंबित रहीं। योगनगरी ऋषिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस, गुवाहाटी-कानपुर सेंट्रल स्पेशल, एलटीटी-रांची एक्सप्रेस और फिरोजपुर कैंट-धनबाद गंगा सतलज एक्सप्रेस भी चार-चार घंटे की देरी से पहुंचीं।इसी क्रम में भटिंडा-बालुरघाट फरक्का एक्सप्रेस तीन घंटे, अमृतसर-हावड़ा पंजाब मेल साढ़े तीन घंटे और प्रयागराज रामबाग-हावड़ा विभूति एक्सप्रेस दो घंटे विलंब से कैंट स्टेशन पहुंची। ट्रेनों की लगातार देरी के चलते यात्रियों को स्टेशन पर लंबा इंतजार करना पड़ा।



ईमानदारी की मिसाल बने रेलकर्मी, विदेशी मेहमान को लौटाया लाखों की नकदी से भरा बैग

बैग में २.११ लाख रुपये भारतीय मुद्रा के साथ अमेरिकी, श्रीलंकाई और सिंगापुर की करेंसी भी थी, पूरी नकदी सुरक्षित मिलने पर विदेशी पर्यटक ने रेलकर्मियों की ईमानदारी और तत्परता को सराहा

भारतीय संस्कृति की पहचान रही 'अतिथि देवो भव:' की परंपरा को कैंट रेलवे स्टेशन के रेलकर्मियों ने अपनी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से एक बार फिर जीवंत कर दिया। वंदे भारत एक्सप्रेस में छूटा सिंगापुर के एक विदेशी पर्यटक का नकदी से भरा बैग रेलकर्मियों की सतर्कता से सुरक्षित वापस मिल गया। बैग में भारतीय मुद्रा के अलावा चार देशों की विदेशी करेंसी भी रखी थी। अपना कीमती सामान और पूरी नकदी सुरक्षित पाकर विदेशी पर्यटक भारतीय रेलकर्मियों की ईमानदारी के कायल हो गये। जानकारी के अनुसार, सिंगापुर निवासी पर्यटक लीम वेन शेंग भारत भ्रमण पर आए हुए हैं। बीते शुक्रवार की रात वह गाड़ी संख्या २२४१६ वंदे भारत एक्सप्रेस के ई-१ कोच में सफर करते हुए वाराणसी कैंट स्टेशन पहुंचे थे। स्टेशन पर उतरने की जल्दबाजी में वह नकदी से भरा अपना बैग ट्रेन में ही भूल गये। इसके बाद ट्रेन यार्ड में पहुंची, जहां नियमित सफाई का कार्य शुरू हुआ। इसी दौरान सफाईकर्मी करण सिंह की नजर सीट पर पड़े लावारिस बैग पर पड़ी। बैग खोलकर देखने पर उसमें भारतीय रुपये के साथ कई देशों की विदेशी मुद्रा भी मिली। इतनी बड़ी रकम देखकर कर्मचारी ने बिना कोई देर किये इसकी सूचना रेलकर्मी अनूप कुमार को दी। सूचना मिलते ही आरपीएफ के जवान मौके पर पहुंचे और बैग को अपनी निगरानी में लेकर सुरक्षित रखवा दिया। इधर, बैग गायब होने का अहसास होने पर विदेशी पर्यटक अपने गाइड के साथ कैंट स्टेशन पहुंचे और रेलवे अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। बैग में रखी नकदी और अन्य सामान का विवरण बताने के बाद अधिकारियों ने आवश्यक पूछताछ कर यात्री की पहचान सुनिश्चित की। इसके बाद नियमानुसार उनका बैग उन्हें सौंप दिया गया। बैग में रखी पूरी रकम और सामान सुरक्षित देखकर पर्यटक ने राहत की सांस ली। स्टेशन निदेशक अर्पित गुप्ता ने बताया कि ट्रेन की सफाई के दौरान कर्मचारी को बैग मिला था। कर्मचारी ने पूरी ईमानदारी दिखाते हुए उसे तत्काल अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया। यात्री की पहचान और दावे की पुष्टि के बाद बैग सुरक्षित वापस कर दिया गया।



बैग में थी कई देशों की करेंसी

विदेशी पर्यटक के बैग में २११६५० भारतीय रुपये, २७ अमेरिकी डॉलर, ५४ श्रीलंकाई मुद्रा और १६ सिंगापुर डॉलर रखे थे। सभी मुद्राओं को मिलाकर कुल कीमत करीब ३.४४ लाख रुपये बतायी गयी है। विदेशी पर्यटक ने रेलकर्मियों की ईमानदारी, संवेदनशीलता और त्वरित कारर्वाई की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में उन्हें मिला यह अनुभव हमेशा याद रहेगा। रेलकर्मियों के इस व्यवहार ने न केवल उनका दिल जीता, बल्कि भारतीय रेलवे के प्रति उनका विश्वास भी और मजबूत किया।

काशी तमिल संगमम ५.० की तैयारियों को समय से पूरा करने का निर्देश

मंडलायुक्त ने की अतिथियों के स्वागत, सुरक्षा, आवागमन और स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा

वाराणसी। काशी तमिल संगमम ५.० के सफल एवं भव्य आयोजन को लेकर शनिवार को मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन की अध्यक्षता में अधिकारियों एवं विभिन्न समितियों के साथ बैठक हुई। इसमें आयोजन की तैयारियों, अतिथियों के स्वागत, आवागमन, ठहरने, सुरक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की गयी। मंडलायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी तैयारियां निर्धारित समयसीमा में पूरी कर ली जाएं, ताकि तमिलनाडु से आने वाले अतिथियों एवं प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने समितियों से तैयारियों में आ रही कठिनाइयों की जानकारी लेकर उनके समाधान के निर्देश दिये। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग को पर्याप्त स्वास्थ्य टीम गठित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में नगर आयुक्त शाश्वत त्रिपुरारी, सीएमओ डाक्टर एनपी सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

लगभग ५० हजार साल पूर्व भारत से थाईलैंड और इंडोनेशिया गये थे हमारे पूर्वज

बीएचयू के वैज्ञानिकों के अंतरराष्ट्रीय शोध में मिले प्राचीन मानव प्रवास के आनुवंशिक प्रमाण

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के शोध में भारत से दक्षिण-पूर्व एशिया तक प्राचीन मानव प्रवास की कहानी को लेकर महत्वपूर्ण खुलासा हुआ है। छह अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के सहयोग से किये गये शोध में पाया है कि लगभग ४५५०० साल पहले भारतीय पूर्वज थाईलैंड और लगभग २७ हजार साल पहले इंडोनेशिया पहुंचे थे। शोध के अनुसार, करीब ५० हजार साल पहले भारतीय उपमहाद्वीप में विकसित एक विशेष मातृ आनुवंशिक समूह दक्षिण-पूर्व एशिया तक फैला। यह अध्ययन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका माइटोकोन्ड्रिया में प्रकाशित हुआ है। शोध के प्रथम लेखक शैलेश देसाई ने बताया कि अध्ययन में माताओं से संतानों में स्थानांतरित होने वाले माइटोकान्ड्रियल डीएनए के हैप्लोग्रुप आर-३० का विश्लेषण किया गया। इससे भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच हजारों साल पुराने मानव संपर्क और प्रवास के प्रमाण मिले हैं। बीएचयू के जीन विज्ञानी प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे के अनुसार, आर-३० की उत्पत्ति लगभग ५० हजार साल पहले भारतीय उपमहाद्वीप में हुई थी। इसकी शुरुआती वंशावली उत्तर भारत में विकसित हुई और बाद में मानव समूह दक्षिण भारत की ओर बढ़े। मंगलोर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मुस्ताक ने बताया कि शोध के लिए भारत, श्रीलंका, लक्षद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया के लोगों के १९८ आधुनिक एवं प्राचीन डीएनए नमूनों का विश्लेषण किया गया। अध्ययन में श्रीलंका के वेद्दा आदिवासियों, दक्षिण भारत के उराली कुरुमन समुदाय और लक्षद्वीप के अमिनी तथा चेटलाट द्वीपों के निवासियों में भी इस आनुवंशिक समूह के प्रमाण मिले। ग्रिफिथ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर माइकल पेट्रागलिया ने कहा कि यह शोध अफ्रीका से निकले शुरुआती मानव समूहों के विस्तार में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि भारत प्राचीन मानव सभ्यता के विकास और दक्षिण-पूर्व एशिया तथा हिंद महासागर के द्वीपों तक उनके प्रसार का प्रमुख केंद्र रहा है।

तालाब से मछली चोरी और लिपटस के पेड़ उखाड़ने का आरोप

सेवापुरी। कपसेठी थाना क्षेत्र के दबेथुआ दौलतिया गांव निवासी रवेश कुमार सिंह ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात लोगों पर तालाब से मछली चोरी करने और पेड़ उखाड़कर फेंकने का आरोप लगाया है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, रवेश कुमार सिंह ने अपनी आबादी की जमीन पर तालाब खुदवाकर मछली पालन का व्यवसाय शुरू किया है। तालाब में उन्होंने रोहू मछली पाल रखी है, जो अब काफी बड़ी हो चुकी है। आरोप है कि गांव के ही कुछ अज्ञात लोग रात के अंधेरे में तालाब में जाल डालकर मछलियां चोरी कर रहे हैं। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके साथ ही तालाब के पास लगाये गये लिपटस के पेड़ों को भी उखाड़कर फेंका जा रहा है। पीड़ित ने आशंका जतायी है कि अज्ञात लोगों द्वारा भविष्य में भी तालाब की मछलियों और पेड़ों को नुकसान पहुंचाया जा सकता है।

२४ को धूमधाम से मनेगा श्री गुरूनानक देव जी महाराज का प्रकाशोत्सव

३१ दिवसीय प्रभात फेरी का समापन कल

सिक्ख धर्म के संस्थापक जगत गुरू श्री गुरूनानक देव जी महाराज का ५५७वाँ प्रकाशोत्सव २४ नवम्बर को गुरूद्वारा, गुरूबाग में बड़े धूम-धाम व श्रद्धा भाव से मनाया जायेगा। धार्मिक आस्था, श्रद्धा एवं उत्साह के साथ विगत ३१ दिनों से निकाली जा रही प्रभात फेरी का समापन २३ नवम्बर को होगा। गुरू महाराज के (आगमन पर्व) प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में पहली प्रभात फेरी प्रतिदिन ५:१५ बजे गुरूद्वारा बड़ी संगत नीची बाग (आस भैरव) से चलकर चौक, बॉसफाटक, गोदौलिया, लक्सा होते हुए गुरूद्वारा गुरूबाग प्रात: ६:३० बजे पहुंचेगी तथा दूसरी प्रभात फेरी मलदहिया लाजपत नगर से चलक सिगरा, नानक नगर, रथयात्रा होते हुए गुरूद्वारा, गुरूबाग प्रात: ६:३० बजे पहुंचेगी। इस दौरान गुरूद्वारा गुरूबाग में श्री अखण्ड पाठ साहिब जी की लड़ी भी चलायी जा रही थी। दोनों प्रभात फेरियों का गुरूद्वारा पहंचने पर पुष्प वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया जायेगा। गुरूद्वारे के मुख्य ग्रन्थी जी ने संगत से विनती कि है कि वे बढ़-चढ़कर इस पावन प्रभात फेरी में शामिल होकर गुरू महाराज जी की खुशियाँ प्राप्त करें। यह जानकारी गुरूद्वारे के मुख्य ग्रंथी भाई रंजीत सिंह जी ने दी।

अवैध लॉन सील के बावजूद शादी आयोजन करने की कोशिश

चार में से सिर्फ एक गेट सील होने पर आक्रोश

जिलाधिकारी के आदेश पर १९ नवम्बर अवैध लान को सील होने के बावजूद अवैध आर. के. मैरेज लान, प्रजापति बाग, नई पोखरी, प्रजापति कुम्भकार हितकारिणी सभा परिसर में कानून को धत्ता बताते हुए २० नवम्बर को भी शादी का कार्यक्रम आयोजित करने की कोशिश किया गया है। इससे आक्रोशित संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि लॉन के ४ गेटों में से केवल १ गेट ही सील किया गया है, जिसका लाभ उठाकर अवैध संचालन जारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तत्काल सभी गेट सील नहीं हुए, तो पदाधिकारी माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद की शरण लेंगे और नियमानुसार धरना-प्रदर्शन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला व पुलिस प्रशासन की होगी। मंत्री जान्हवी देवी प्रजापति के प्रतिनिधि और विधिक सलाहकार कमेटी के सदस्य संजय प्रजापति ने बताया कि प्रजापति - कुम्भकार हितकारिणी सभा सोसायटी एक्ट के अंतर्गत १९६३ की पंजीकृत संस्था द्वारा १९७१ से संचालित विद्यालय चक्रधारी विद्या मंदिर पर २०२१ के कोविड़ काल में लल्लापुरा निवासी रतन प्रजापति ने स्वयं को स्वघोषित मंत्री बताकर जबरन कब्जा कर लिया था। आरोप है कि रतन प्रजापति, राजेश प्रजापति पुत्र शीतला प्रसाद लल्लापुरा, राजेश प्रजापति पुत्र खदेरू हबीबपुरा, अजित वर्मा फुलवरिया, मनोज प्रजापति बड़ी गैबी और राहुल उर्फ हार्दिक प्रजापति और अन्य ने गिरोह बनाकर संपत्ति का आर्थिक दोहन शुरू किया। रतन ने अपने पुत्र राहुल उर्फ हार्दिक प्रजापति को फर्जी कागजातों से प्रधानाध्यापक बनाकर स्कूल की आड़ में अवैध लान संचालित कर रहा है। परिसर में जाने पर पदाधिकारियों व समाज के लोगों को फर्जी मुकदमे में फंसाने व जान-माल की धमकी दी जाती है। २०२५ से स्कूल बंद होने के बाद पूरे प्रजापति समाज में रोष व्याप्त है। पत्रकार वार्ता में जान्हवी प्रजापति, बाबू प्रजापति, निशा प्रजापति आदि लोग भी उपस्थित रहे।



बीएसएनएल ४ और ५जी विस्तार के लिए ७७ हजार करोड़ खर्च का प्रस्ताव

अब टेलीकाम कंपनी के अतिरिक्त ४-जी साइटें में ९८ प्रतिशत कवरेज होगा प्रदान,संचार के प्रतिस्पर्धा में बीएसएनएल फिर से अग्रणी की ओर

बीएसएनएल संचार के प्रतिस्पर्धा में अग्रणी श्रेणी में आने के लिए ४ और ५ जी विस्तार के लिए लगभग ७७ हजार करोड़ पूंजीगत व्यय का प्रस्ताव रखा है। जिसमें टेलीकाम कम्पनी की योजना में २००,००० ४जी साइटें शामिल हैं। इनके शामिल हो जाने पर देशभर में लगभग ९८ प्रतिशत से ज्यादा कवरेज हो जायेगा। उच्च यातायात क्षेत्र में ५ जी शुरू करने के लिए एवं उसमें सुधारात्मक कार्य के लिए १७७,००० करोड़ों रुपये की पूंजी निवेश करने की योजना है। दूरसंचार विभाग छह अगस्त को सूचना और सूचना प्रौद्योगिक पर संसदीय समिति की दी गयी एक रिपोर्ट के अनुसार पूंजी निवेश के साथ राज्य के स्वामित्व वाले दूर संचार वाले आपरेटरों के वित्त वर्ष २०२९ तक परिचालन संबंधी लाभ प्राप्त करने और ९८ प्रतिशत कवर का जो अनुमान है वह पुरा होगा। संसदीय समिति के आपरेट के वित्तीय दक्षता को सरकार का हवाला देते हुए २०२३ से २०२६ तक राजस्व में वृद्धि हुई है। दरअसल विभाग २०२६ में बढ़कर १४.७३८ करोड़ हो गयी है जो पिछले वर्ष के १२ हजार २४